Dr.Renu Kumari
Deppt. Of Philosophy
G.D.College, Begusarai
MA-Sem-|| P-CC-7
Date-25.03.20

# सर्वोदय क्या है?

- सर्वोदय का अर्थ है "सभी का कल्याण।" सर्वोदय आंदोलन वह आंदोलन है जिसका लक्ष्य ग्रामीण पुनर्निर्माण और शांतिपूर्ण और सहकारी माध्यमों से ग्रामीण भारत के लोगों को ऊपर उठाना है। सर्वोदय सह-अस्तित्व और पारस्परिक प्रेम पर जोर देता है।
- महात्मा गांधी ने इसे रस्किन के दर्शन से उधार लिया और ग्रामीण भारत के लोगों के कल्याण के लिए अपने रचनात्मक दर्शन का हिस्सा बन गए। सर्वोदय दर्शन को जय प्रकाश नारायण का काफी ध्यान मिला। सर्वोदय व्यक्ति और समाज के पूरे विकास के अवसर प्रदान करता है।

# सर्वोदय

- यह अवधारणा सबसे पहले महात्मा गांधी द्वारा अपनाई गई थी। यह एक व्यापक, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, नैतिक और आध्यात्मिक दर्शन है।
- गांधी के बाद, इसे बाद में आचार्य विनोबा भावे ने अपनाया। उन्होंने इसे भारतीय सामाजिक प्रणालियों और शर्तों पर विचार करने के लिए विकसित किया। सर्वोदय के उच्च आदर्शों को लागू करने के लिए, विनोबा भावे ने सर्वोदय समाज की स्थापना की।

# समाज

ए) एक सर्वोदय समाज व्यक्तिगत स्वतंत्रता में विश्वास करता है और यह पूरी तरह अस्पृश्यता का विरोध करता है।

बी) यह बाल विवाह का विरोधी है।

सी) यह अंतर जाति विवाह को बढ़ावा देता है।

डी) यह मानव गरिमा और सार्वभौमिक भाई-चारे को बढ़ावा देता है।

ई) यह सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार में विश्वास करता है।

एफ) सर्वोदय दर्शन में, अकेले मानव मूल्य और सद्भावना पर हावी रहेगी।

जी) सर्वोदय समाज मानव समानता और मानव जाति के कल्याण में विश्वास करता है।

एच) सर्वोदय दर्शन धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा और बुनियादी दर्शन में विश्वास करता है।

# आलोचना

- सर्वोदय पार्टी को कम लोकतंत्र का समर्थन करता है, भारतीय संविधान ने राजनीतिक दल व्यवस्था के आधार पर लोकतंत्र अपनाया। सर्वोदय दर्शन को यूटोपिया कहा जाता है। अब हकीकत में, स्वार्थीता, नकारात्मक गुणों की तरह जलन से मानव प्रकृति में उभरा है।
- सरल जीवन और उच्च सोच की गांधीवादी अवधारणा एक मिथक बन रही है। वास्तव में, संपत्ति को हमारी संस्कृति और समाज में उच्च मूल्य का एक अनिवार्य मानदंड माना जाता है।